प्रेस रिलीज़

एपेक्स आर्ट- नई दिल्ली, भारत

सावधान: सच्चाई के शासन

क्यूरेटर: **शौनक मह्बुबानी**

अक्टूबर 7- नवम्बर 3, 2018
मंगलवार- रविवार, 12- शाम 7 बजे

कलाकार थिएटर
गार्डन ऑफ़ फाइव सेंसेस के पास, सैदुल -अजैब

उद्घाटन समारोह:
शनिवार, अक्टूबर 6, 2018
शाम 5 - 8 बजे

अर्को दत्तो, *अच्छे दिन (पॉनोप्टिकौम्स)*, 2015 (विवरण)

जिनके महत्वपूर्ण काम शामिल हैं

ऑल्ट न्यूज़
पायल आर्य
दलित पैन्थर ऑर्काइव
अर्को दत्तो
समर ग्रेवाल
संकेत जडिया

जोहर झारग्राम
विशाल कुमारस्वामी
साराह नक़वी
मंदीप रेखी
स्मिता राजमाने
विदिशा सैनी

विडियो वालंटियर्स
असीम वाकिफ़
द वायर
वर्ड साउंड पॉवर
ज़ीन

सावधान! फौजों के अनुशासन के साथ साथ, ऐतिहात और सतर्कता के लिए एक आह्वान है, संषेप में आज भारत और अन्य देशों में महसूस की जाने वाली आन्त्रिक तनाव, जो दक्षिणपंथी सत्तावादी शासन के पकड़ में है. भारत में ज्यादातर व्यक्तियों के सामने दो तरह के प्राथमिक विकल्प हैं- या तो व्हाट्सएप समूहों और पडोसी शाखा के द्वारा प्रसारित की जा रही विभाजक विचारधारा के आगे झुक जाना या इस आशा में अनदेखा कर देना की बड़े पैमाने पर गैर कानूनी हत्या और निर्दोष गिरफ़्तारी किसी के दरवाजे तक ना पहुंचे| तीसरा विकल्प- विसम्मति- जो डर के बादलों में छिपा हुआ है और जिसे व्यवस्थीत ढंग से राष्ट्रविरोधी के बराबर आँका गया है|

सावधान: सच्चाई के शासन इस सामाजिक-राजकीय परिदृश्य की जांच कर रहा है, ज्ञान की सत्ता को उभारना- माइकल फौकाउल्ट का सिद्धांत, नियंत्रण में और जनता का संघठन| मह्बुबानी के श्रंखला का एक भाग *अस्थिर भविष्यों के लिए सहयोगी*, इस प्रदर्शनी ने कलाकारों के काम और स्वतंत्र मीडिया संस्थानों के बीच एक वार्तालाप शुरू किया है| यह राज्य तंत्र को चुनौती और सत्ता के लिए असममित कुश्ती के कई पक्ष को सामने रखने में सहभागी है| विडियो, चित्र इत्यादि जमा करना, फोटोग्राफी, चित्रकारी, स्थापना, अभिनय और इत्यादि बहु संवेदी अनुभव को दिल्ली के पुराने रंगभूमि के अन्दर दिखाया जायेगा|

इन मीडिया रणनीतियों को नियंत्रण के रूपों में दोबारा जांचने के लिए दर्शकों को आमंत्रित करते हुए, यह प्रदर्शनी नागरिक कार्रवाई के लिए तत्काल आवश्यकता पर ध्यान देती है, जो हमारे अपमानजनक लोकतांत्रिक प्रणालियों के भीतर व्यक्तिगत क्षमता को जोर देने के वैकल्पिक तरीकों का प्रस्ताव देती है।

सावधान: सच्चाई के शासन का चयन एपेक्सर्ट आर्ट के ओपन कॉल के द्वारा किया गया था| और जानकारी या चित्रों के लिए कृपया apexart.org पर जायें या press@apexart.org ईमेल करें

शौनक मह्बुबानी वर्तमान में दिल्ली, भारत में स्थित एक घुमंतू क्यूरेटर हैं| वे मुख्य रूप से *अस्थिर भविष्यों के लिए सहयोगी* श्रंखलाओं के अंतर्गत प्रोजेक्ट्स में कार्यरत है, जिसे 2016 में शुरू किया गया था और जो गैर द्वैतवाद के लेंस से सामाजिक-राजनीतिक, पारिस्थितिकीय, और तकनीकी विकासवादी भविष्यों की संभावनाओं को खोदने पर केंद्रित है। वे भागीदारी उपकरणों, प्रसार, और सफेद घन के विकल्पों के उपयोग के माध्यम से कलाकृति और दर्शक के बीच की सीमाओं को जटिल बनाने में उत्सुकता और रुचि रखते हैं | मह्बुबानी वर्तमान में द गुजराल फाउंडेशन के लिए प्रोग्रामिंग का क्यूरेटर भी हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी नींव सहायक कला और संस्कृति का समर्थन करता है।

एपेक्स आर्ट के कार्यक्रमों को एंडी वॉरहोल फाउंडेशन फॉर द विजुअल आर्ट्स, द बुहल फाउंडेशन, ब्लूमबर्ग फिलैथ्रोप्रीज, द ग्रीनविच कलेक्शन लिमिटेड, विलियम टैलबोट हिलमैन फाउंडेशन, एफ़र्मेशन आर्ट्स फंड, मिल्टन और सैली एवरी द्वारा समर्थित किया गया है। कला फाउंडेशन, पांचवें मंजिल फाउंडेशन, और साझेदारी में न्यूयॉर्क शहर के सांस्कृतिक मामलों के विभाग से सार्वजनिक धन के साथ, शहर परिषद् और कला की न्यूयॉर्क राज्य परिषद के साथ गवर्नर एंड्रयू एम क्यूमो और न्यूयॉर्क के समर्थन के साथ पर न्यूयॉर्क राज्य विधायिका|

#सावधान

291 चर्च स्ट्रीट, न्यू यॉर्क, न वाए 10013
t +1 212 431 5270 www.apexart.org